Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 18, Issue No. 4, July-2021, ISSN 2230-7540

महाविद्यालयों के पुस्तकालय में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग और सेवाओं का अध्ययन

Raj Mohammad[1]*, Dr. Mohan Lal Kaushal[2]

[1] Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

[2] Associate Professor, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

सार - *शैक्षिक प्रक्रिया में, महाविद्यालय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय शिक्षा उन छात्रों को प्रदान करती है जो उच्च शिक्षा में मौलिक रूप से भिन्न वातावरण में प्रवेश करते हैं। सामान्य तौर पर कक्षाओं में बहुत सारे छात्र होते हैं और स्कूली शिक्षा के विपरीत, शिक्षकों को महाविद्यालय के छात्रों से कम ध्यान मिलता है। इसलिए छात्रों को खुद पर और भी ज्यादा निर्भर रहना चाहिए। इस प्रकार विश्वविद्यालय पुस्तकालय छात्रों के लिए अपने कक्षा निर्देश में जोड़ने के लिए अंतिम स्थान है। किसी तरह विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को विकल्प के रूप में कक्षाओं के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए महाविद्यालय के पुस्तकालय का मूल कार्य उपयोगकर्ताओं को अध्ययन सामग्री प्रदान करना और छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं की पढ़ने, अध्ययन और अनुसंधान की आवश्यकताओं को तत्काल रूप से पूरा करना है। कम्प्यूटरीकरण एक इलेक्ट्रॉनिक कार्य तकनीक है जिसमें कुशल सामग्री को संभाला, संग्रहीत और नियोजित किया जाता है। पुस्तकालयों के कम्प्यूटरीकरण को स्वचालित पुस्तकालयों के रूप में भी जाना जाता है। "मशीनरी, प्रक्रिया या प्रणाली के विकास की तकनीक स्वचालित है।" दूसरे शब्दों में, कंप्यूटर डेटा भंडारण में हेरफेर करता है, डेटा इनपुट या आंतरिक रूप से उत्पन्न डेटा का चयन, प्रस्तुत और रिकॉर्ड करता है। पुस्तकालय गृह रखरखाव मशीनीकरण को प्राथमिक रूप से सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा स्वचालित पुस्तकालय संचालन के रूप में जाना जाता है।*

मुख्यशब्द - *महाविद्यालयों के पुस्तकालय, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रयोग और सेवायें, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय, उच्च शिक्षा में मौलिक रूप*

----------X----------

प्रस्तावना

सूचान प्रौद्योगिकी का वास्तविक लाभ उन सभी लोगों को है जो पुस्तकालय मशीन पर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट सेवाएं ग्राहक को विशाल भंडारण डेटा प्रदान करती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा प्रदान किए गए उपयोगकर्ता के लिए व्यापक लाभों में बेहतर पहुंच, काम और शिक्षा का मिश्रण, लचीली सामग्री और वितरण, नवीन संचार रणनीतियाँ और प्रशिक्षण के बेहतर मानक शामिल हैं। सूचना प्रौद्योगिकी भी कई उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय में कम संख्या में पुस्तकों तक पहुंच के लिए तैयार करने की तुलना में सूचना सामग्री तक अधिक प्रभावी पहुंच प्रदान करती है। यह विश्वविद्यालय को विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों और अन्य चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पेशकश करने के लिए प्रेरित करता है। (मान, 2012) आज के पुस्तकालयों के लिए यह आवश्यक नहीं है कि सभी आईटी सेवाओं को एक मेजबान कंप्यूटर आधारित स्वचालित पुस्तकालय प्रणाली के रूप में तकनीकी सहायता और ऑनलाइन कैटलॉग प्रदान करें। विशेष और अकादमिक पुस्तकालयों के लिए यह निश्चित रूप से सच है, और सार्वजनिक पुस्तकालयों में रुचि बढ़ रही है। पुस्तकालय ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक न्यूजलेटर, माइक्रो कंप्यूटर और ऑनलाइन संसाधनों जैसे मुफ्त नेटवर्क सिस्टम के उपयोग में अधिक आसानी से चले गए हैं। कंप्यूटर के अकादमिक परिचय द्वारा अपनी शैक्षणिक क्षमता में पहले से अधिक छात्रों को सूचना प्रौद्योगिकी में आरंभ करना। कई और संस्थान मल्टीमीडिया प्रकाशनों और सीडी-रोम के माध्यम से अपने घरेलू कंप्यूटर सिस्टम के साथ अनुभव बनाना चाहते हैं। यह सच है कि एक जनसंख्या समूह सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित है। यह सूचना

www.ignited.in

प्रौद्योगिकी और अवकाश या शैक्षिक सेवाओं से भरा है। इस स्थिति में फ्री नेट के साथ साझेदारी में पुस्तकालय समुदाय द्वारा सामाजिक, शैक्षिक, तकनीकी या राजनीतिक मामलों में इलेक्ट्रॉनिक योगदान के लिए सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक कंप्यूटिंग पहल शामिल होनी चाहिए। समाज में कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे अपर्याप्त आर्थिक संभावनाओं, पुरस्कारों की कमी और उचित शिक्षा के कारण बढ़ रहे हैं। आधुनिक विश्व के इतिहास में तीन क्रांतियां हुई हैं। हमारे समाज में हुए संरचनात्मक परिवर्तन कृषि क्रांति के बाद औद्योगिक क्रांति के परिणाम थे। १७५० में दुनिया की ८०% से अधिक आबादी कृषि पर निर्भर थी और १९५० में औद्योगिक क्रांति पर यह ६०% से भी कम थी। तीसरी क्रांति जिसने समाज को दो क्रांतियों यानी कृषि और उद्योग में आकार दिया है, वह है सूचना प्रौद्योगिकी। इसे उत्तर-औद्योगिक समाज में ज्ञान समाज के रूप में जाना जाता है। आईटी इसके दायरे और कंप्यूटर के मुद्दे से संबंधित है। लाइब्रेरी आईटी हमारे समुदायों, और विशेष रूप से हमारी पुस्तकों, और हमारे शैक्षणिक संस्थानों को बनाने के लिए आज के मुख्य नए उपकरणों में से एक है। हमें नवीन और आधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके मांगों को पूरा करने के लिए अपनी सांस्कृतिक और शैक्षिक सुविधाओं को अनुकूलित करने की आवश्यकता है। यदि उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी के अनुकूल बेहतर बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए अपने संस्थानों का नेतृत्व करना है तो उन्हें क्रमशः पुस्तकालयों और पुस्तकालयाध्यक्षों की आवश्यकता होगी। विषय क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला में पुस्तकालय आधी सदी से भी अधिक समय से सावधानीपूर्वक संकलन करने में असमर्थ रहे हैं। सहयोग और अंतर-पुस्तकालय उधार के एक लंबे इतिहास के दौरान, विज्ञान, छात्र और शैक्षणिक सामग्री की आवश्यकताएं इसलिए अधिक अंतःविषय और व्यापक-आधारित विषय आवश्यकताओं को पूरा कर रही हैं। कंप्यूटर और संचार ऐसी क्रांतियाँ हैं जिन्होंने कंप्यूटर को सूचना प्रौद्योगिकी में बदल दिया है। आईटी के नवाचार क्रांतिकारी भंडारण, प्रसंस्करण, संचरण और सूचना के वितरण को बदल देते हैं। आईटी का यह तीव्र विकास सभी क्षेत्रों में समाज की प्रगति और परिवर्तन की कुंजी है। जब कम लागत वाले कंप्यूटर शुरू होते हैं, तो डिजिटल डेटा के लिए कंप्यूटर छवि-आधारित तकनीकों का उपयोग करते हुए, दुनिया भर में प्रसंस्करण सॉफ्टवेयर का उपयोग करना आसान है। इसमें टेक्स्ट से मल्टीमीडिया डेटा भी शामिल है जिसमें टेक्स्ट और फोटो, वीडियो और वॉयस डिजिटाइज्ड शामिल हैं।

शिक्षा क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी

जीवन के सभी चरणों में सूचना प्रौद्योगिकी बहुत महत्वपूर्ण है। बुनियादी जीवन में, आईटी अब अनुसंधान और विकास, शिक्षा, प्रबंधन, गतिविधि, संचालन और स्वास्थ्य और मनोरंजन की सेवाओं का केंद्र बन गया है। इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली आईटी द्वारा प्रायोजित उपभोक्ता समाज की जरूरतों को पूरा करने में समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कोई प्रतिबंधित उपयोगकर्ता समूह या प्रत्यक्ष उपयोगकर्ता समुदाय नहीं है। आईटी आधुनिक समाज के लिए आवश्यक बिल्डिंग ब्लॉक्स में से एक रहा है। कई देश आईटी ज्ञान और आईटी मास्टरिंग को स्कूली शिक्षा, लेखन, अंकगणित और पढ़ने का एक प्रमुख घटक मानते हैं। (स्वामी, 2012) आईटी विद्रोह पूरी शिक्षा प्रणाली में दुनिया भर में अनूठी चुनौतियों का सामना करता है। यह तीन विशिष्ट क्षेत्रों में लागू होता है: पहला, सूचना समाज की भागीदारी। दूसरे, शिक्षा प्रक्रिया को संशोधित करने के तरीके तक पहुंच पर आईटी का प्रभाव। उच्च शिक्षा और स्कूलों में आधिकारिक आईटी शिक्षा संगठित शिक्षा उपलब्ध कराती है। अंत में, अनौपचारिक शिक्षा दूरस्थ शिक्षा और अन्य संरचित कार्यक्रमों के माध्यम से वयस्क शिक्षा और आगे की शिक्षा के साथ होती है। शिक्षा का क्षेत्र सबसे मजबूत आईटी ग्राहक है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पुस्तकालयों, डेटाबेस और भागीदारी की जरूरत है, शिक्षा संस्थानों में वित्तीय और कर्मियों की कमी, प्रशासनिक भूमिकाएं, शिक्षा प्रणाली और मोबाइल सीखने के लिए समर्थन है। भौतिक बुनियादी ढांचे के और अधिक प्रतिबंध और संकायों की कमी के बावजूद आईटी शिक्षा की उभरती आवश्यकता से निपटने, विशेष रूप से काम करने वाले पेशेवरों के लिए सर्वोत्तम संभव लाभ प्रदान करता है, जिन्हें सतत शिक्षा प्राप्त करने की आवश्यकता होती है (अंकुश 2012)

समूह सूचना प्रणाली में एक शैक्षिक संगठन में शिक्षार्थियों, शैक्षिक प्रदाताओं और प्रशासनिक कर्मियों को शामिल करता है। कई देशों में शिक्षा के स्तर को सूचना प्रौद्योगिकी से मदद मिलती है। आईटी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार कर सकता है और मल्टीमीडिया क्षमताओं जैसे मॉडल और प्रतिकृति के माध्यम से शिक्षा के सभी क्षेत्रों को संबोधित कर सकता है। संचार प्रौद्योगिकियां छात्रों को उन विचारों तक पहुंच प्रदान करती हैं जिन्हें पहले नहीं लिया जा सकता था।

महाविद्यालयों के पुस्तकालय में सूचना प्रौद्योगिकी

www.ignited.in

व्यापार, स्वास्थ्य, उद्योग, विनिर्माण, पर्यटन और शिक्षा जैसे विभिन्न उद्योग प्रौद्योगिकी के युग में आईटी की भूमिका और जरूरतों में बढ़ती भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय और ज्ञान अध्ययन उनके साथ इन क्षेत्रों में से एक है। पुस्तकालय सूचना उपकरण और सुविधाओं के विकास में आईटी का बहुत प्रभाव है। सूचना प्रौद्योगिकी के बिना किसी पुस्तकालय के लिए अपने लक्ष्य को प्राप्त करना संभव नहीं है। एक पुस्तकालय व्यक्तियों, उपयोगकर्ताओं और पुस्तकों का एक समुदाय है जो एक सामाजिक संगठन के रूप में कार्य करता है। पुस्तकालयों को संसाधनों और पाठकों की गुणवत्ता के अनुसार सार्वजनिक पुस्तकालयों, विश्वविद्यालय पुस्तकालयों, विशेष किताबों की दुकानों, संचार पुस्तकालयों और राष्ट्रीय पुस्तकालयों में वर्गीकृत किया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभाव से पुस्तकालय सेवाओं के प्रावधान में काफी बदलाव आया है। अकादमिक पुस्तकालयों में प्रौद्योगिकी के विभिन्न रूपों का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालयों में आईटी कार्यान्वयन में डेटाबेस, पुस्तकालय प्रणाली, रिकॉल सेवाओं और ऑनलाइन खोज, डिजिटल पुस्तकालय, और दस्तावेजों को वितरित करने के नए तरीके (रोवले, 1998) का विकास शामिल है।

महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी की आवश्यकता

महत्वपूर्ण संख्या में, पुस्तकालय प्रणाली सूचना प्रौद्योगिकी से प्रभावित हुई है। इलेक्ट्रॉनिक कार्यस्थल ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग का विकास सूचना के उत्पादन और संचालन के लिए अधिक सुविधा प्रदान करता है। वर्चुअल लाइब्रेरी, इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक्स में हमारे रोजमर्रा के जीवन में आईटी कार्यान्वयन के उदाहरणों का उपयोग किया जा सकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय पुस्तकालयों की स्थापना शिक्षण, सीखने और शोध करने के लिए की जाती है। ये ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय पुस्तकालय कार्यों की हाउसकीपिंग, नए कौशल सीखने की आवश्यकता, उनकी प्रणालियों और प्रक्रियाओं आदि में सूचना प्रौद्योगिकी परिवर्तन के कारण प्रभावित हुए थे। इंटरनेट ने सीडी-रोम, ब्लूरे डिस्क, वेब सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक डेटाबेस जैसे पुस्तकालयों में प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाकर सूचना पहुंच को पूरी तरह से बदल दिया है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय के पुस्तकालयों में सूचना स्रोतों और संसाधनों को बदलने के लिए आईटी एक प्रभावी तरीका रहा है। आईटी एप्लिकेशन के कई फायदे हैं। हालाँकि, इसका उपयोग पुस्तकालयों में डेटा को संग्रहीत करने, पुनर्प्राप्त करने, प्रसारित करने और संसाधित करने के लिए किया जा सकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के आईटी महाविद्यालय के पुस्तकालयों के लिए उपयोगी अतिरिक्त सेवाएं और ई-सूचना संसाधनों की एक विस्तृत विविधता तक पहुंच प्रदान करने का एक अवसर है। संग्रह निर्माण, पुस्तकालय नेटवर्क और भवनों के रूप में, आईटी ने विश्वविद्यालय पुस्तकालय संचालन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। आईटी भाग आंतरिक पुस्तकालय कार्यों जैसे परिसंचरण, कैटलॉग, एक सूचना प्रबंधन प्रणाली की शुरूआत और प्रभावी पुस्तकालय नेटवर्क, डिजिटल संग्रह में वृद्धि और पुस्तकालयों के डिजिटलीकरण को स्वचालित करता है। आईटी का सभी पुस्तकालय सूचना सेवाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है क्योंकि यह समय, स्थान, आर्थिक दक्षता प्रदान करता है और पाठकों को अद्यतन जानकारी प्रदान करता है। इंटरनेट डिजिटल दुनिया में पुस्तकालय सुविधाओं और सेवाओं को सीधे प्रभावित करता है और आधुनिक और समकालीन वेब-आधारित ई-सूचना और सेवाएं भी प्रदान करता है।

महाविद्यालयों के पुस्तकालय में लागू सूचना प्रौद्योगिकी के कार्य

महाविद्यालयों के पुस्तकालय शिक्षण और शिक्षण संस्थानों से जुड़े संस्थागत किताबों की दुकान हैं और इन्हें विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर समझा जा सकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के अकादमिक पुस्तकालय को विश्वविद्यालय, महाविद्यालय या स्कूल जैसे शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े पुस्तकालयों का पुस्तकालय कहा जाता है। यह अपने मूल संस्थान के मिशन को बढ़ावा देने और बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आईटी ने पिछले दो दशकों में विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में ज्ञान कार्यों में क्रांति ला दी है। समुदाय को सूचना प्रसंस्करण, समेकन, रीपैकिंग और पुनर्प्राप्ति प्रौद्योगिकी को प्रणाली के संक्रमण और समावेशन के संबंध में तथ्य के रूप में पहचानने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों ने एक एकीकृत सूचना प्रणाली के निर्माण को स्वचालित कर दिया है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय पुस्तकालयों के सफल नेटवर्किंग की प्रवृत्ति सूचना स्रोतों और सेवाओं के निर्माण में सूचना संसाधनों के सबसे लाभप्रद उपयोग की अनुमति देगी। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य कार्यान्वित किए जाते हैं:

www.ignited.in

- पुस्तकालय प्रबंधन और डेटाबेस निर्माण और प्रबंधन पुस्तकालय कंप्यूटर प्रौद्योगिकी में आईटी के अनुप्रयोग हैं।
- सूचना नेटवर्क और पुस्तकालय नेटवर्क पुस्तकालय दूरसंचार प्रौद्योगिकी में आईटी के अनुप्रयोग हैं।
- लाइब्रेरी रिप्रोग्राफिक तकनीक में फोटोग्राफी, ऑडियो/वीडियो, माइक्रोफिल्म और ऑप्टिकल/डिजिटल तकनीक आईटी के अनुप्रयोग हैं।
- कैटलॉगिंग, वर्गीकरण, सूचना का चयनात्मक प्रसार और वर्तमान जागरूकता सेवा पुस्तकालय प्रौद्योगिकी में आईटी के अनुप्रयोग हैं।
- अधिग्रहण, संचलन, कैटलॉगिंग, वर्गीकरण, संरक्षण और सुरक्षा और संदर्भ सेवा पारंपरिक पुस्तकालयों में आईटी के अनुप्रयोग हैं।

वर्तमान में महाविद्यालयों के पुस्तकालयों का आधुनिकरण

ज्ञान विस्फोट की प्रक्रिया आधुनिक समाज द्वारा पारित की जा रही है। प्रेस, जैसे किताबें, पत्रिकाएं, कागजात के नक्शे, आदि और गैर-मुद्रित मीडिया जैसे कॉम्पैक्ट डिस्क, बोगस, वीडियो टेपिंग, माइक्रोफॉर्म और संसाधन सूचना उद्देश्यों के लिए उपलब्ध हैं। महाविद्यालय की किताबों की दुकानों में सूचना सेवाओं के इन विभिन्न रूपों को संभालना एक चुनौती और सैद्धांतिक उपक्रम है। केवल १९वीं शताब्दी के अंत में, सूक्ष्म-भाषाओं आदि में वृद्धि के साथ, वैज्ञानिक अनुशासन स्थापित किया गया था। नई किस्म की तकनीकें, जिन्हें "दस्तावेजीकरण" कहा जाता है, का उदय हुआ है। पुस्तकालय अब इलेक्ट्रॉनिक और गैर-प्रिंट मीडिया में घातीय वृद्धि का सामना कर रहा है। ये समस्याएं सूचना बुनियादी ढांचे और सेवाओं के लिए शिक्षा महाविद्यालय के पुस्तकालय में सूचना प्रौद्योगिकी निर्माण के लिए घटकों के मूल्य को प्रदर्शित करती हैं। पुस्तकालय इन घटकों के बिना गैर-मुद्रित मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के तेजी से विकास का सामना नहीं कर सकते हैं और आज उनके पुस्तकालय के लिए प्रभावी सेवाएं नहीं हैं। मेरे विषय "शिक्षा पुस्तकालयों के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के महाविद्यालय में सूचना प्रौद्योगिकी के विकास पर अनुसंधान" के अनुसार, मुझे सूचना प्रौद्योगिकी यौगिकों में महाविद्यालय शिक्षा पुस्तकालयों में पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं के विकास में अध्ययन किया जाता है। आईटी पुस्तकालय में सूचना प्रसंस्करण, भंडारण और वितरण की एक तकनीक है; प्रमुख संसाधनों में से एक हमारी संस्था है।

दुनिया भर के सभी पुस्तकालयों में, पारंपरिक पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं को तकनीकी ग्रंथ सूची संसाधनों और सेवाओं में बदल दिया गया है। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में, आईटी इंगित करता है, पुस्तकालय स्वचालन संगठन, पुस्तकालय सॉफ्टवेयर और इंटरनेट, नेटवर्क में संसाधनों को साझा करना और सूचना संसाधनों और सेवाओं के विकास के लिए पुस्तकालय डिजिटलीकरण। इस समस्या को हल करने के लिए हमें पुस्तकालय में इन घटकों को जानने और उपयोग करने की आवश्यकता है।

उच्च शिक्षा में सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी में विभिन्न प्रकार के संचार उपकरण शामिल हैं। व्यापक रूप में इसका वर्णन किया जा सकता है। इसमें कंप्यूटर नेटवर्क के लिए रेडियो, टेलीविजन, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, मोबाइल फोन और सैटेलाइट सिस्टम, और विभिन्न एप्लिकेशन और संबंधित सेवाएं शामिल हो सकती हैं। शैक्षिक उद्देश्यों में, आईटी शिक्षा प्रौद्योगिकी का एक उपक्षेत्र बन जाता है। उच्च शिक्षा व्यापक उद्देश्यों के लिए आईटी का उपयोग करती है, जिसमें पाठ्यक्रम सामग्री का विकास, छात्रों के बीच संचार, उपस्थिति, शिक्षण, शिक्षण और बाहरी दुनिया का निर्माण और वितरण शामिल है।

उच्च शिक्षा में पारंपरिक और एकल ओपन-मोड ड्यूल-मोड विश्वविद्यालय दोनों में प्रौद्योगिकी का उपयोग फायदेमंद और उपयुक्त है, और कोठारी आयोग, 1966 जैसी विभिन्न समितियों और समितियों द्वारा इसकी सिफारिश की जाती है; एनईपी-1986' एनकेसी, 2006 मल्टीमीडिया सामग्री और प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान और नकली गठबंधन के लिए। आईटी का उपयोग छात्रों के संदर्भ और प्रदर्शन पर प्रभाव के विश्लेषण पर आधारित है। (बंसल, 1999) नई सूचना प्रौद्योगिकी की बदौलत उच्च शिक्षा की दुनिया में बदलाव की सबसे बड़ी संभावना है। कई बदलाव हैं। वे शिक्षार्थियों की जरूरतों और पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों के विस्तार और अनुकूलन के दृष्टिकोण से आईसीटी के पूरक के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों के सहयोग की सुविधा प्रदान करते हैं। सूचना संचार प्रौद्योगिकी इंटरैक्टिव सुविधाएं प्रदान करती है जो शिक्षार्थियों को हर जगह और हर जगह सीखने में सक्षम बनाती है। वे सूचना और अनुसंधान संसाधनों को अधिक कुशलता से प्रसारित और वितरित करने के अवसर प्रदान

www.ignited.in

करते हैं। वास्तव में, अगले 10 वर्षों में ई-लर्निंग और आईटी-आधारित प्रौद्योगिकियों का उपयोग शिक्षा में 15 गुना बढ़ जाएगा। (सुनाररराजन, 2015)

महाविद्यालय शिक्षा में एनसीटीई की भूमिका

एनसीटीई, एनसीईआरटी और आईएएसईएस जैसे विभिन्न संस्थानों और एजेंसियों ने विशेष रूप से 1960 के दशक के अंत में प्रयास किए हैं। शिक्षा की पारंपरिक पद्धति महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों द्वारा स्थापित की गई है। पाठ्यक्रम, सीखने की वृद्धि और पृष्ठभूमि में एक विशिष्ट रुचि के साथ शिक्षक शिक्षा विभाग (एनसीईआरटी) की मुख्य शक्ति थी। शिक्षक प्रशिक्षण को अधिक कुशल और सार्थक बनाने के लिए कई विश्वविद्यालयों ने इन शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को बदल दिया है। (पी रॉय, 2015) एक प्रशिक्षक का व्यावसायिक विकास विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है, जैसे कि सेवाओं से पहले या सेवा के बाद की तैयारी, उचित प्रशिक्षण, महत्वपूर्ण विकास और कुछ अन्य, जैसे कि पाठ्यक्रम के रूप, कार्यशालाएं और सम्मेलन। ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न प्रकार की जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वर्तमान में डेटा की महत्वपूर्ण मात्रा को संग्रहीत और लेबल किया जा सकता है। लोग अब एक अलग तरीके से उनका विश्लेषण और टिप्पणी कर सकते हैं, उनसे जुड़ सकते हैं और साझा कर सकते हैं, संपादित कर सकते हैं और अपने स्वयं के उपकरण और पाठ्यक्रम विकसित करना सीख सकते हैं। (नाथ, 2015) राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) बनाने के लिए एक विधायी अधिनियम अपनाया गया था। तो यह अब एक कानून बनाने वाली संस्था है। पूरे काउंटी में एनसीटीई का मुख्य लक्ष्य शिक्षक शिक्षा प्रणाली के संगठित और अनुसूचित विकास को प्राप्त करना है। इसमें शिक्षक शिक्षा प्रणाली में निगरानी और अपेक्षाओं और गुणवत्ता को पर्याप्त रूप से बनाए रखना शामिल था। 1993 में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण बोर्ड (एनसीईआरटी) में, यह शिक्षकों के प्रशिक्षण से संबंधित सभी मामलों पर एक राष्ट्रीय सलाहकार निकाय के रूप में स्थापित किया गया था, पर्याप्त मानकों को सुनिश्चित करने और योजनाओं और योजनाओं के उत्पादन की समीक्षा एनसीटीई। (दक्षिण कोरियाई, 2009)

निष्कर्ष

पारंपरिक पुस्तकालय सूचना के लिए नई पीढ़ी के पाठकों की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकते हैं; इस प्रकार पारंपरिक पुस्तकालयों का निर्माण और कम्प्यूटरीकरण किया जाना चाहिए। यदि हम पुस्तकालय विज्ञान के पाँच स्तरों को अपनाना चाहते हैं तो हमें कम्प्यूटरीकरण का रास्ता अपनाना चाहिए। पुस्तकालय के कम्प्यूटरीकरण की आवश्यकता ज्ञान विस्फोट, पारंपरिक पुस्तकालयों में खोज की समस्याओं, कम प्रौद्योगिकी लागत और नई पीढ़ियों की जरूरतों से प्रकट होती है। दिन-ब-दिन ऑटोमेशन की लागत घट रही है, ऑनलाइन प्रकाशन बढ़ रहे हैं और पाठकों की जरूरतें डिजिटल दुनिया की ओर बढ़ रही हैं। वर्तमान मांग को पूरा करने के लिए, गैर-स्थानीय उपयोगकर्ता स्वचालन को लागू किया जाना चाहिए ताकि हम कम से कम हाइब्रिड प्रकृति के पुस्तकालयों में स्वचालित पुस्तकालय द्वारा अपने पाठकों की बेहतर सेवा कर सकें। सूचना/ज्ञान संगठन अकादमिक पुस्तकालयों के सफल उपयोग और वितरण के लिए एक महत्वपूर्ण प्रारंभिक कदम है। जैसे-जैसे सूचना की मात्रा और प्रकृति बढ़ती है, इसे समन्वित करने की आवश्यकता अधिक होती जाती है। प्राचीन काल से ही ज्ञान को व्यवस्थित करने के विभिन्न तरीकों की एक बड़ी संख्या रही है। बड़ी मात्रा में नई जानकारी और विशेषज्ञता की बढ़ती हुई डिग्री के साथ, मानव ज्ञान के सभी क्षेत्रों में पुस्तकालय सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली की बहुत मांग है, जो कि आईटी उपकरणों के उपयोग को छोड़कर, पारंपरिक तरीकों से शायद ही पूरा किया जा सकता है। अकादमिक पुस्तकालयों में सूचना प्रसंस्करण विधियों को बढ़ाने और फैलाने के लिए, कंप्यूटर और दूरसंचार में प्रगति और विकास और दो क्षेत्रों के अभिसरण ने ऐसे पुस्तकालयों की उपयोग दक्षता में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, उनका कहना है कि एक सुव्यवस्थित अकादमिक पुस्तकालय में सभी संरक्षकों का समर्थन करने के लिए आईसीटी होना चाहिए, और इसलिए पुस्तकालय की सूचना प्रणाली आज एकत्र करने, वितरित करने, तूफान आदि में सक्षम सॉफ्टवेयर सिस्टम से बना है। वह यह भी कहते हैं कि अकादमिक पुस्तकालय एक भूमिका निभाते हैं विद्वानों, वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, योजनाकारों आदि को विभिन्न प्रकार की सूचना सेवाएं प्रदान करने में प्रमुख भूमिका। इन प्रणालियों को पुस्तकालय के अर्थ में एक स्वचालित प्रणाली के लिए संदर्भित किया जाता है जिसमें सॉफ्टवेयर शामिल होता है जो मौलिक पुस्तकालय हाउसकीपिंग कार्यों के प्रबंधन और / या प्रबंधन के लिए बनाया जाता है। जो मुख्य रूप से अधिग्रहण, कैटलॉगिंग और वर्गीकरण, परिसंचरण, संदर्भ सेवाएं और मैन्युअल संचालन हैं।

www.ignited.in

संदर्भ ग्रन्थ सूची

दत्ता, इंद्रजीत और जोशी, धनजय (2011)। आईसीटी के माध्यम से उच्च शिक्षा में डिजिटल डिवाइड को पाटना। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज। वॉल्यूम। - 49(45); पी: 14-25

एडेम, एम.बी. (2010)। सूचना युग में विश्वविद्यालय पुस्तकालय संसाधन विकास में उपहार। वॉल्यूम। - 29(2); पी: 70-76

गौर, बबीता (2015)। सूचना साक्षरता और अकादमिक पुस्तकालय का प्रभावी उपयोग। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी। वॉल्यूम। - 53(47); पी: 35-39

गौतम, जे.एन. (2016)। शिक्षा में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर: लाइब्रेरियन का क्षितिज। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज। वॉल्यूम। - 54(21); पी: 03-06

गर्ग, सुरेश (2011)। ज्ञान प्रबंधन में आईसीटी की भूमिका। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी। वॉल्यूम। - 49(50); पी: 01- 06

गीतांजलि (2014)। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के दृष्टिकोण के प्रति सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव। कंप्यूटर एप्लीकेशन और रोबोटिक्स में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च। वॉल्यूम। - 2(6); पी: 47-54

ग़देरी, चिया और महमूदीफ़र, यूसेफ (2015)। पश्चिम अजरबैजान के सार्वजनिक पुस्तकालयों में ज्ञान प्रबंधन प्राप्त करने पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ फंडामेंटल एंड एप्लाइड लाइफ साइंस। खंड-एस (एस१); पी: 3718-3723

घंटे और देशमुख (2014)। भारत में चयनित पुस्तकालय नेटवर्क की सेवाएँ और गतिविधियाँ। 'मानव संसाधन के विकास के लिए उच्च शिक्षा की प्रासंगिकता' पर अंतःविषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। पी: 411

गोवंडे, एस.एम. (2016)। शिक्षा क्षेत्र में ई-गवर्नेंस का रोल। यूनिवर्सिटी न्यूज, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज। वॉल्यूम। - 54(47); पी: 22- 25

Corresponding Author

Raj Mohammad*

Research Scholar, Shri Krishna University, Chhatarpur M.P.

www.ignited.in